इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

योग-भोग प्रदाता शाकम्भरी शक्ति साधना

25 जनवरी, शाकम्भरी जयन्ती

जीवन में इच्छित कामनाओं की पूर्ति ही तो वह आनन्दानूभूति है, जिससे मन तृप्ति का अनुभव करता है। यदि जीवन में यश, वैभव, प्रतिष्ठा की कमी हो, चेहरे पर तनाव की रेखाएं पड़ गई हो या प्रेम का अभाव हो, तो साधक को चाहिये कि वह इस शाकम्भरी शक्ति साधना को सम्पन्न कर अपने जीवन की कमियों को पूरा कर लें। शाकम्भरी देवी अपने आराधक को वह सब कुछ देनें में समर्थ है, जो उसकी इच्छा है।

शालिग्राम विष्णु साधना

06 फरवरी, षटतिला एकादशी

शालिग्राम तथा श्री चक्र के दर्शन मात्र से ही सभी तीर्थों का फल प्राप्त होता है क्योंकि इन दोनों में ही सभी तीर्थ, देवता, पर्वत, समुद्र देवता तथा विष्णु की शक्तियों का वास है। शक्ति तत्व व्यक्ति को चैतन्य करता है, उसे आगे बढ़ने के लिये कुछ ऐसा प्रयास करने की प्रेरणा देता है, उसके प्रयासों में अनुकूलता मिलती है, शक्ति हर समय साधक को जाग्रत करती हैं और यही जागरण उसकी क्रियाशीलता का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष है, उसे कोई भी कार्य कष्टप्रद मालूम नहीं होता, शत्रु बाधा हो चाहे आर्थिक संकट हो, वह आगे बढ़ने के लिये तत्पर रहता है।

सर्व साधना दोष नाशक साफल्य प्रयोग

09 फरवरी, मौनी अमावस्या

साधक द्वारा अनेक साधनाओं को सम्पन्न करने के बाद भी किन्हीं अज्ञात कारणों से उत्पन्न दोष, जो सफलता में अवरोधक है, उनके निवारण हेतु साधनाओं का पुंजीभूत सिद्धिप्रद सफल प्रयोग। इस प्रयोग से साधनायें सम्पन्न करने में जो दोष, बाधायें, अड़चने उत्पन्न हो रही हैं, उनका शीघ्र ही समाधान होता है और साथ ही साधना सफलता में सहायता मिलती है। परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिये आवश्यक यह एक अद्वितीय साधना है।

चिर युवावस्था साधना

14 फरवरी, बसंत पंचमी

सौन्दर्य का आधार ही सृष्टि है, और सौन्दर्य की आराधना ही ईश्वर की आराधना है। यह साधना सम्पन्न करने पर साधक के जीवन में नवीनता का प्रारंभ हो जाता है। वह पूर्ण रूप से सौन्दर्य का अधिकारी बन जाता है और उसके चेहरे पर एक चमक, ओज तथा उसका शरीर कायाकल्प हो जाता है। यह साधना प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति सम्पन्न कर सकता है क्योंकि यह एक सरल और शीघ्र सिद्ध होने वाली साधना है, जिसे मूल रूप से वसंत ऋतु पर्व पर सम्पन्न करना चाहिये।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।